



2439

सुभाषित

सुभाषित

म म

मी

ॐ गुरु आ पावुं रं तत्र तार
पतार मत्त ध्या त व र साति
अ थ दे त्मा पा री पा र दं की वी
मा री भा रं भा रं म री हिं हु पत
जी डं पुर जा री त हा व सा जो मा
ई आ हा मा जी लो हा क्य था क
दि हु न मी न व के म हु री वा के
का री ताल मा री ताल मा री व
दी सा मा री त र धु ना थ जो
र वा ना थ की वा ची ॥ धा र ।

॥ न ॥ म स म र ले क र द र
पी स र र के वा डी वा री पी प ला
वा वा धे मा री ही न र ता वा ला
प दे ता अ धे वा म सा न के र व ड
रि मी ला ई म र री हा व र र म
र मा री ॥ ॐ न ॥

[illegible]

41912 2411911

ॐ ॐ ॐ आ ॐ पा ॥ अं प्रा सा त दी
त दी ता • रा रा मा सु र रा र की र
गी र आं ना भूत रो हो : द्यो हो ई ॥
धा र ॥ ६ ॥ य स म न्म स रा गो
जे टी स्व ध ल ग ती अ ग नी मा हा
न वी का सा वे । आ र वा पे र र मा
म र हो ॥ ॥ ॐ ॥ ॥ ॥

ॐ नमो स्त्री चै उर आ अपा
ॐ हन र स तु मा ट ये रे हुं फ
त ॥ श्री क ल या ने ग य प्र म
ल प हा य की त व ल धे ॥ धा
२ ॥ १००० ॥ महि या ना म वा
या व लु प्रा के सं यु ना व ता
ॐ नमो र उग दु ह्ना सी यु ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ धर्म

॥ यमक मंदिता मन्त्र
या इति वक्ता लाल संत य वं वा
ने भुनां राम धा का सी वा नम
उत्तुल सं धी तु य म इ उत्तु

ॐ नमो श्री धी उत्तु आ ज्ञा-ॐ
नमो श्री रक्ता ल का ना वा मा
रा जो ला मु र्धा जित मुख लो ही
गु रु ती का ल स जा हे द ती लो ही
को जा ने प्रा दा ना य जा ने प्रा
दा तु र जा ने च प्रि जा ने सु र्ग
जा ने सा धु र्ग ती चो र जा इ त
ला गी तो कृष्ण को जा ने ह मा ला
रु द्र की ज ता धु मा ती जा इ न ल
ज त का ली का इ ला को लो इ

है भई दनत ई अरु गडि
पा र व डी की वा चा ॥

॥ धा ॥ र ॥ छि ॥ छि ॥ छि ॥

यस मंत्र त चा व त ख ध न गी
बो व डी त चो र ता ई सो ही ॥

ई ॥ ॥ ॥ ई चो र ता ई ॥
व डी त मंत्र ॥ ॥

है वा वें वी ला ही मं वी ला ही
अ व सा त्र वी सी षे ई हं ली
ली ई ई ई ॥ धा ॥ र ॥ छि ॥

यस मंत्र चो ष प नी ई ला गी
प्र वा ई वु चो र सा ध ध चो र
म ध क चो र ई ई न ॥ छि ॥

मयापनी अ दातात्म मयाप
नी यो मत्र य का फेरा जपी अ
दा त म पु र वी स नु को ना म
का री स नु का ध र ती र ह री
हिन स नु वना स ह ध म री
जो ध ॥ फल ली का फेरा
फल ली य का फेरा अ देता
लो सा य फेरा चा ही ध ॥
प्रजा ३५ दा फेरा वी फल ली
तली जमा सी र अ देता सा त मु
ची चा वेंता अ देता सा त मु
सा य प्रे सा त म म सा हली
फल ली हली उ सा व धी य फेरा
उनु फल ली य फेरा उनु आत्म य
फल ली अता का सी र मा पा
धली नु ओ सी पर
धली नु सं कल ज
म का ती ओ फेरा

सुखसत्रनास



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
मलै मा हं यलै मा हं यक मा ह
डि व ई मा ह ३ ॥ ती नै मा हं ते हो पा
न मा रा पा न ज प ड य कै प च ह
इ न वी फा ता नै ई फा ल मा रो म्पा
न ला गा जी गु रू को पा व ला जी जा
य कै प च ल ला जी जा इ न वी फा
ल ला जी जा ती नै फा ल ला जी जा सं
फा त गु रू को वा चा अ नी नी वा ता
त को वा चा ॥ धार ॥ २ ॥ ६६
यो मं ब्र प ही ता न प ह ले अ रा ता स ६
त फे रा ता न रु रा स म ६ त फे रा ता न रु
क र रा को प र ल ला १ क फे रा ता
न ध व नी र व नी ई क न प नी हा
वृ णि च स त्र ना स ह ह
मा या को ज स ती प रा मी जा ती स व

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

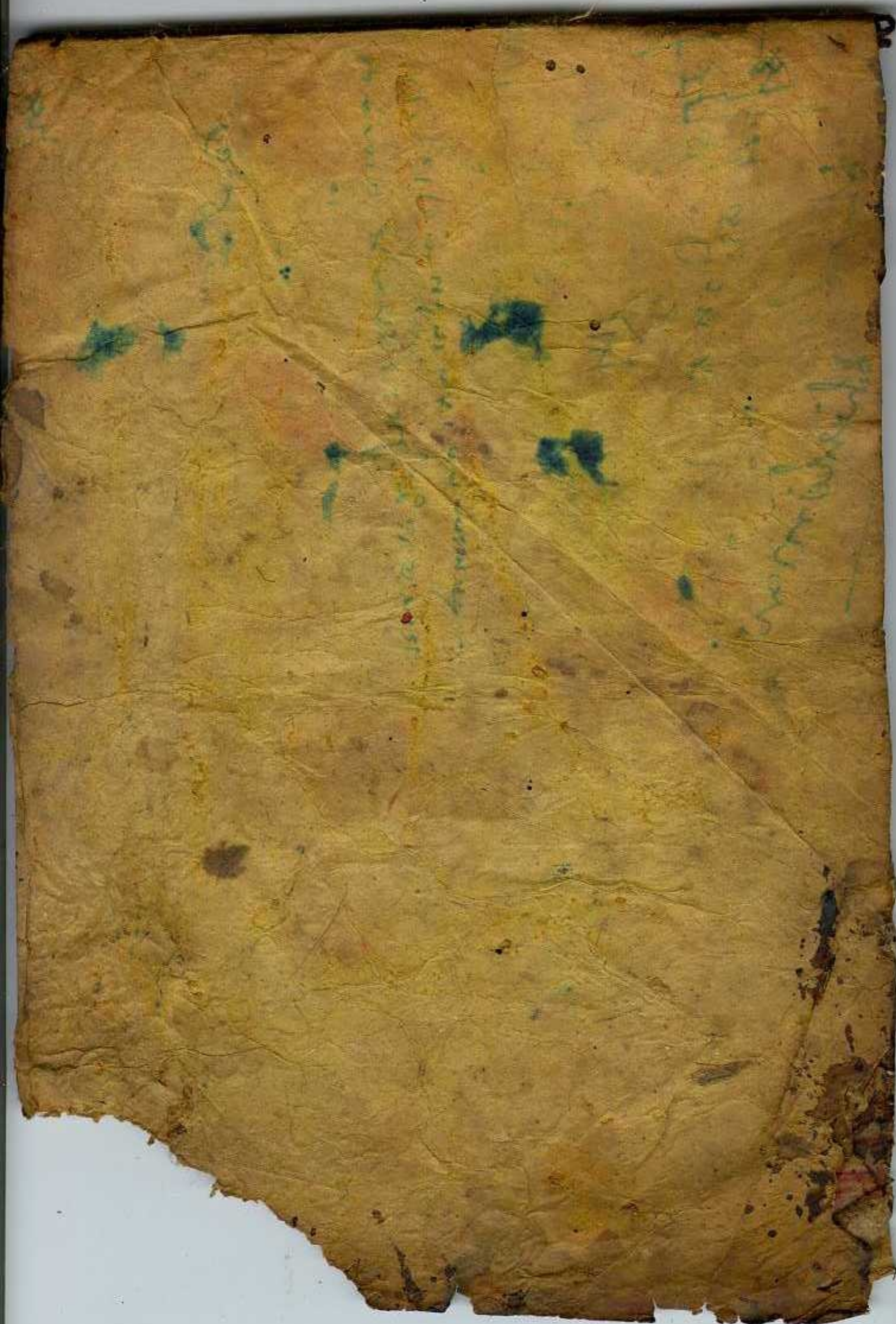
ॐ नमः श्री गुरु आ ग्या हुं ब्र धा पंच व्र
धा यस्तु कत हा ॥ धा ॥ ८ ॥ ० ५ ८
को वा यस्तु मंत्र ॥ ८ ॥ ० ५ ८
मानुषा पटु या तं जीव रु रिया
यस्तु ॥ धा ॥ ८ ॥ ० ५ ८ ॥ ६ ६ ६

ॐ नमः श्री गुरु आ ग्या हुं सी मा
भावा ग्या नी ॥ ५ ८ ६ ६ ६ ६ ६ ६ ६ ६
त स्व हा ॥ धा ॥ ८ ॥ ० ५ ८
न ज्ञा नी धनुषा या वृ ज पल वा
न सत्र मा द्य सं हो ला वृ द्यो य सी
का द्य द्यो पा वृ ॥ ६ ६ ६ ६ ६ ६ ६ ६

ॐ ५ ८ आ ग्या ॥ ५ ८ ६ ६ ६ ६ ६ ६ ६ ६
हो हो ले त वा मृ से अ व ता रे मृ
न म मा सा त हो वृ न ५ ली ल का रे
न म मा सा त हो वृ न ५ ली ल का रे
पा ॥ धा ॥ ८ ॥ ० ५ ८ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
या यः ३३ इति वाच्यं
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
लोकं तं का वल य ची मा ल व व ची
ना ल वं इति सुखा व व ना ॥ ॐ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
तं इति फलः ॥ धा २ ॥ १०००० ॥
यं नमो भगवते वासुदेवाय
सा च वं नमो भगवते वासुदेवाय
वा नमो भगवते वासुदेवाय
तं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥



2.439

